उत्तर प्रदेश की बंजर भूमि में बागान कार्यक्रम

7095. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश राज्य में ईंधन की बढ़ती हुई समस्या के समाधान के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में बंजर भूमि में बागान कार्यक्रम प्रारंभ करने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) यदि हां, तो कौन कौन सी योजनायें तैयार की गई हैं और इस प्रयोजनार्थ कितनी धनराशि रखी गई है, और

(ग) इस प्रयोजनार्थ राज्य में जिस बंजर भूमि की पहचान की गई है उसका ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (परती भूमि विकास विभाग) में राज्य मंत्री कर्नल राम सिंह : (क) और (ख) उत्तर प्रदेश राज्य में विभिन्न केन्द्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं के अंतर्गत बंजर भूमि सहित भूमि पर वनीकरण/वृक्षारोपण क्रियाकलाप चलाये जा रहे हैं। बहु प्रजातियों के पौध रोपण को बढ़ावा देने के लिए वनीकरण वृक्षारोपण क्रियाकलापों में ईंधन लकड़ी बागबानी, ईमारती लकड़ी तथा ऊर्जा प्रजाति का रोपण शामिल है। केवल एक ही प्रजाति का प्रयोग करने से एकल संवर्धन को ही बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों की ईंधन लकड़ी, चारा फल तथा भोजन की आपूर्ति नहीं होगी। इन योजनाओं की निगरानी 20–सूत्री कार्यक्रम के सूत्र संख्या 16 के अंतर्गत की जाती है। वनीकरण/वृक्षारोपण के लिए भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य केन्द्र तथा राज्य योजनाओं की वित्तीय उपलब्धता के आधार पर वर्ष दर वर्ष निर्धारित की जाती है। 20–सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों के लक्ष्य एवं उपलब्धियां इस प्रकार हैं।

(पौधों की संख्या लाखों में)
(क्षेत्र हैक्टेयर में)

	लक्ष्य		उपलब्धि	
वर्ष	पौध वितरण निजी भूमि पर रोपण हेतु)	क्षेत्र (वन भूमि सहित सार्वजनिक भूमि)	पौध वितरण (निजी भूमि पर रोपण हेतु)	क्षेत्र वन भूमि सहित सार्वजनिक भूमि)
1991–92	3,400	90,000	3,192.47	89,565.11
1992–93	3,390	90,000	3,468.29	1,00,139.26
1993–94	3,200	85,000	2,929.00	83,7[illegible]

(ग) बंजर भूमि विकास विभाग ने राष्ट्रीय दूर संवेदी एजेंसी के सहयोग से राष्ट्रीय बंजर भूमि पहचान परियोजना आरम्भ की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत देश के 228 जिलों में जहां पर 5 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र बंजर भूमि है, [illegible] है। उत्त[illegible] में सुनिश्चि तथापि एक प्रदेश में बं[illegible] हैक्टयर तक पै[illegible]